प्रकाशनार्थ / प्रसारणार्थ

12 वर्षों में बिहार के दूध उत्पादन में तीन गुना वृद्धि– उपमुख्यमंत्री

पटना 07.02.2019

बापू सभागार, पटना में नेशनल डेयरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित 47वीं डेयरी इंडस्ट्री कॉन्फ्रेंस–2019 को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि सुधा डेयरी के बिहार–झारखंड मिलाकर 21 प्लांट से प्रतिदिन का 32 लाख लीटर दुग्ध की प्रोसेसिंग की जा रही है जो पिछले 12 वर्षों में तीन गुना अधिक है। सुधा डेयरी प्रतिदिन 1.8 लाख लीटर दूध से दुग्ध उत्पाद तैयार करती है। बिहारशरीफ में 4 लाख लीटर क्षमता का डेयरी प्लांट स्थापित किया गया है। 2016–17 में कॉम्फेड सहित बिहार के सभी दुग्ध उत्पादक संघों ने 3,255 करोड़ रुपये का व्यापार किया जिसमें कॉम्फेड का कारोबार 908 करोड़ था तथा उसने इसी अवधि में 68 करोड़ 33 लाख का मुनाफा कमाया है।

बिहार दुग्ध उत्पादन में पूर्वोत्तर भारत (बंगाल, उड़ीसा और असम समेत नार्थ–इस्ट के सभी राज्यों) में प्रथम स्थान पर है। बिहार सरकार कॉम्फेड को हरेक प्रकार की मदद कर रही है। कॉम्फेड ने 704 करोड़ का ऋण एनसीडीसी से लिया है जिसके ब्याज का वहन करने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है।

बिहार सरकार 64 करोड़ की लागत से पूर्णिया में सीमेन स्टेशन व 33 करोड़ की लागत से मोतिहारी में अत्याधुनिक तकनीक द्वारा सिर्फ बाछी पैदा करने वाली सीमेन सेप्रेशन केन्द्र का निर्माण करा रही है।

2005 के पूर्व बिहार में लोग अनजान थे कि जानवरों का भी टीकाकरण होता है। अभी डेढ़ करोड़ पशुओं को प्रतिवर्ष अलग– अलग प्रकार के टीके लगाये जा रहे हैं। साथ ही राज्य में कैटल फीड के कारखाने भी बड़ी संख्या में स्थापित हो रहे हैं।

केंद्र सरकार ने बजट में प्रावधान किया है कि केसीसी के तर्ज पर डेयरी और फिशरी के लिए भी ससमय ऋण भुगतान करने वालों को मात्र 4 प्रतिशत ब्याज देना होगा। साथ ही पशु नस्ल सुधार हेतु "राष्ट्रीय कामधेनु आयोग" का भी गठन किया है।